

**गोवा विश्वविद्यालय**  
**शणै गोंयबाब भाषा एवं साहित्य महाशाला**  
**हिंदी अध्ययन शाखा**

**कार्यक्रम : स्नातकोत्तर हिंदी**

**पाठ्यक्रम : HIN-507**

**पाठ्यक्रम का शीर्षक : नाटक एवं रंगमंच**

**श्रेयांक : 04 (60)**

**शैक्षणिक वर्ष से लागू : 2022-2023**

| पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित | नाटक एवं रंगमंच से परिचित होना अपेक्षित है।                                                                                                                                                                                                                                    | घंटे      |
|--------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| उद्देश्य                       | <ul style="list-style-type: none"> <li>● नाटक के विकासक्रम का अध्ययन कराना।</li> <li>● रंगमंच के विकासक्रम का अध्ययन कराना।</li> <li>● भारतेन्दु एवं अन्य नाटककारों के समकालीन परिवेश से अवगत कराना।</li> <li>● हिंदी नाटकों के कला एवं भाषिक पक्ष का अध्ययन कराना।</li> </ul> |           |
| पाठ्य विषय                     | <b>1. नाटक एवं रंगमंच : स्वरूप एवं परंपरा का विकास।</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>● संस्कृत नाट्य परंपरा।</li> <li>● मध्ययुगीन लोकनाट्य परंपरा।</li> <li>● स्वतंत्रतापूर्व हिंदी नाटक एवं रंगमंच।</li> <li>● स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक एवं रंगमंच।</li> </ul>   | <b>15</b> |
|                                | <b>2. निर्धारित नाटक</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>● भारतेन्दु हरिश्चंद्र : अंधेर नगरी</li> </ul>                                                                                                                                                                 | <b>06</b> |
|                                | <ul style="list-style-type: none"> <li>● जयशंकर प्रसाद : चंद्रगुप्त</li> </ul>                                                                                                                                                                                                 | <b>08</b> |
|                                | <ul style="list-style-type: none"> <li>● मोहन राकेश : आधे-अधूरे</li> </ul>                                                                                                                                                                                                     | <b>08</b> |
|                                | <ul style="list-style-type: none"> <li>● शंकर शेष : एक और द्रोणाचार्य</li> </ul>                                                                                                                                                                                               | <b>07</b> |

|                         |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |    |
|-------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
|                         | <ul style="list-style-type: none"> <li>● भीष्म साहनी : माधवी</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | 08 |
|                         | <ul style="list-style-type: none"> <li>● असगर वजाहत : जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | 08 |
| अध्यापन विधि            | व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |    |
| निर्धारित पाठ्य सामग्री | <ol style="list-style-type: none"> <li>1) प्रसाद, जयशंकर. चंद्रगुप्त. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011.</li> <li>2) राकेश, मोहन. आधे-अधूरे. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1990.</li> <li>3) वजाहत, असगर. जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ. वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2010.</li> <li>4) शेष, शंकर. एक और द्रोणाचार्य. अभिनव प्रकाशन, मुंबई, 1978.</li> <li>5) साहनी, भीष्म. माधवी, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2017.</li> <li>6) हरिश्चंद्र, भारतेन्दु. अंधेर नगरी. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 2009.</li> </ol>                                                                                                                                                                                                                                                                              |    |
| संदर्भ ग्रंथ सूची       | <ol style="list-style-type: none"> <li>1) ओझा, डॉ. दशरथ. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 2017.</li> <li>2) ओझा, डॉ. मांधाता, सरदाना, डॉ. शशि. नाटक: नाट्य-चिंतन और रंग प्रयोग, कलामंदिर दिल्ली, 2003.</li> <li>3) कुमार, सिद्धनाथ. नाट्यालोचन के सिद्धांत, वाणी, नई दिल्ली 2004.</li> <li>4) गौतम, विकल. हिंदी नाटक : रंग, शिल्प, दर्शन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013.</li> <li>5) चंदेर, डॉ. नाट्यचिंतन: नए संदर्भ, साहित्य रत्नाकर, कानपुर, 1987.</li> <li>6) चातक, गोविंद. आधुनिक हिंदी नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश, जगतपुरी, प्रकाशन, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली, 2003.</li> <li>7) चातक, गोविंद. हिंदी नाटक इतिहास के सोपान, तक्षशिला, नई दिल्ली, 2002.</li> <li>8) जैन, नेमिचंद्र. मोहन राकेश के संपूर्ण नाटक (संपादन). कश्मीरी गेट, राजपाल एंड सन्स, प्रकाशन दिल्ली, 1976.</li> </ol> |    |

|              |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |  |
|--------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--|
|              | <p>9) जैन, नेमिचंद्र. रंग परंपरा भारतीय नाट्य में निरंतरता और बदलाव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996.</p> <p>10) डॉ. अज्ञात. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, साहित्य रत्नालय, कानपुर, 1997.</p> <p>11) तनेजा, जयदेव. आधुनिक भारतीय रंगलोक, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2006.</p> <p>12) तनेजा, जयदेव. समसामयिक हिंदी नाटको में चरित्र सृष्टि, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 1971.</p> <p>13) त्रिपाठी, डॉ. वशिष्ठ नारायण. भारतीय लोकनाट्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2001.</p> <p>14) परमार, श्याम. लोकधर्मी नाट्य परंपरा, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 1956.</p> <p>15) प्रसाद, डॉ. प्रसून. मोहन राकेश के नाटक : एक मूल्यांकन, आधार प्रा. लि. हरियाणा, 2008.</p> <p>16) प्रेमलता. आधुनिक हिंदी नाटक और भाषा की सृजनशीलता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993.</p> <p>17) रस्तोगी, गिरीश. मोहन राकेश और उनके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1975.</p> <p>18) रस्तोगी, डॉ. गिरीश. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना, साहित्य अकादेमी, हरियाणा, 1990.</p> <p>19) राकेश. अनीता, सतरें और सतरें, राधाकृष्ण, प्रा. लि. दिल्ली, 2002.</p> <p>20) रानी, डॉ. गुरदीप. मिथक सिद्धांत और स्वरूप, बुकमार्ट पब्लिशर्स, दिल्ली, 2009.</p> <p>21) राय, डॉ. नरनारायण. रंगशिल्पी मोहन राकेश, कादंबरी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1991.</p> <p>22) सिंह, डॉ. राजेश्वरप्रसाद. मोहन राकेश का नाट्यशिल्प: प्रेरणा एवं स्रोत, अमित प्रकाशन, गाज़ियाबाद, 1992.</p> |  |
| अधिगम परिणाम | <ul style="list-style-type: none"> <li>● नाटक के विकास से परिचित होंगे।</li> <li>● रंगमंच के विकास से परिचित होंगे।</li> <li>● नाटककारों के समकालीन परिवेश से अवगत होंगे।</li> <li>● हिंदी नाटकों के कला एवं भाषिक पक्ष से अवगत होंगे।</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |  |